समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 24 August 2026

तेलंगाना : प्रिंसिपल की 27 बार चाकू मारकर हत्या, छात्रों की आलीशान जिंदगी ने खोला राज ; दो आरोपी गिरफ्तार

Sanket Morankar Published on 20 Aug 2026

तेलंगाना के **नलगोंडा जिले** में 48 वर्षीय स्कूल प्रिंसिपल **कल्लू रूपा रेड्डी** की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में दो छात्रों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने पैसे और महंगे खर्च के लिए हत्या की साजिश रची थी। रूपा रेड्डी को उनके घर में **27 बार चाकू मारा गया था।**

रूपा रेड्डी कोंडामल्लेपल्ली स्थित **नागार्जुन पब्लिक स्कूल** की प्रिंसिपल और निदेशक थीं। 12 अगस्त की सुबह उनका शव उनके घर से बरामद हुआ था।

घर में मिला था 27 घावों वाला शव

पुलिस के अनुसार, घटना के समय रूपा रेड्डी के पति हैदराबाद में थे। जब उन्होंने पत्नी को फोन किया और कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने पड़ोसियों को जानकारी दी। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और रूपा रेड्डी को मृत पाया।

उनके शरीर पर चाकू से किए गए **27 घाव** मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पांच टीमों का गठन किया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्य, फिंगरप्रिंट, तकनीकी जानकारी और संदिग्धों की गतिविधियों की जांच की गई। पुलिस ने 80 से अधिक लोगों से पूछताछ भी की।

एक शब्द से मिली जांच को अहम कड़ी

पुलिस को जांच के दौरान एक महत्वपूर्ण सुराग मिला। घटना से पहले रूपा रेड्डी ने अपनी मौसी से फोन पर बातचीत की थी। फोन बंद होने से पहले बातचीत में उनका आखिरी शब्द '**बाबू**' रिकॉर्ड हुआ था।

पुलिस अधिकारी शरथ चंद्र पवार के अनुसार, जांचकर्ताओं ने यह पता लगाने की कोशिश की कि रूपा रेड्डी किसे 'बाबू' कहकर संबोधित कर रही थीं। इसी कड़ी ने पुलिस को स्कूल के छात्रों तक पहुंचाया।

पांच छात्रों पर गया पुलिस का शक

जांच के दौरान पुलिस ने छात्रों से अलग-अलग पूछताछ की। इसी क्रम में कक्षा 10 के पांच ऐसे छात्रों की पहचान हुई, जो घटना के बाद स्कूल से अनुपस्थित थे।

इनमें से दो छात्रों की गतिविधियां पुलिस को संदिग्ध लगीं। जांच में सामने आया कि दोनों छात्र अचानक काफी पैसा खर्च कर रहे थे और पार्टियों में पैसे उड़ा रहे थे। इसके बाद पुलिस ने बुधवार सुबह दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ के दौरान दोनों ने कथित तौर पर हत्या की साजिश में शामिल होने की बात स्वीकार की।

प्रिंसिपल ने पहले छात्रों को लगाई थी फटकार

पुलिस के मुताबिक, आरोपी छात्रों को रूपा रेड्डी पहले भी अनुशासनहीनता के मामले में फटकार चुकी थीं। उनके हॉस्टल बैग से नकदी और एक मोबाइल फोन मिलने के बाद रूपा रेड्डी ने उनके माता-पिता को इसकी जानकारी दी थी।

इसके बाद दोनों छात्रों को हॉस्टल से हटाकर **डे-स्कॉलर** कर दिया गया था। पुलिस को आशंका है कि इसी घटना के कारण छात्रों के मन में प्रिंसिपल के प्रति नाराजगी पैदा हुई होगी।

पांच दिन तक बनाई हत्या और चोरी की योजना

पुलिस जांच के अनुसार, दोनों छात्रों ने कथित तौर पर करीब **पांच दिनों तक योजना बनाई** और रूपा रेड्डी के घर की रेकी की। अपनी पहचान छिपाने के लिए उन्होंने चाकू और दस्ताने खरीदे थे।

घटना वाले दिन एक आरोपी कथित तौर पर बंदर टोपी और दस्ताने पहनकर घर में दाखिल हुआ। पुलिस के अनुसार, उसे बेडरूम में करीब **2.50 लाख रुपये नकद** मिले और वह वहां से निकलने लगा।

इसी दौरान बंदर टोपी खिसक गई और रूपा रेड्डी ने कथित तौर पर आरोपी को पहचान लिया। पुलिस के मुताबिक, पहचान सामने आने के डर से आरोपी ने उन पर चाकू से हमला कर दिया और उन्हें 27 बार चाकू मारा।

हत्या के बाद सबूत छिपाने की कोशिश

पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद आरोपियों ने नकदी लेकर सबूत मिटाने की कोशिश की। खून लगे कपड़े और बंदर टोपी को कथित तौर पर जमीन में दबा दिया गया।

इसके बाद दोनों आरोपियों के गोवा जाने की बात भी जांच में सामने आई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से **1.54 लाख रुपये नकद**, कुछ खून के दाग वाले नोट, एक आरोपी द्वारा खरीदा गया **आईफोन** और रूपा रेड्डी का मोबाइल फोन बरामद किया है।

जल्दी पैसा कमाने के तरीके भी खोजे

जांच में पुलिस को यह भी पता चला कि दोनों आरोपियों ने घटना को अंजाम देने से पहले एक वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर **जल्दी पैसा कमाने के तरीके** खोजे थे।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों का उद्देश्य चोरी के पैसे से महंगे खर्च और मौज-मस्ती करना था। घटना के बाद उनके अचानक बढ़े खर्च और पार्टियों ने जांचकर्ताओं का ध्यान उनकी ओर खींचा।

नलगोंडा मे स्कूल प्रिंसिपल रूपा रेड्डी की 27 बार चाकू मारकर हत्या के मामले मे पुंलिस ने दो छात्रों को गिरफ्तार कर कथित साजिश का खुलासा किया है। पुलिस जांच में छात्रों के अचानक बढ़े खर्च, पार्टियों, 'बाबू' शब्द से मिले सुराग और तकनीकी व फोरेंसिक साक्ष्यों ने जांच को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने आरोपियों के पास से नकदी, मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.